14 दिसंबर, 2021 करेंट अफेयर्स

1. विश्व प्रतिभा रैंकिंग रिपोर्ट:

हाल ही में, IMD वर्ल्ड कॉम्पिटिटिव सेंटर ने अपनी "वर्ल्ड टैलेंट रैंकिंग रिपोर्ट" प्रकाशित की है।

मुख्य बिन्दु:

यह रिपोर्ट प्रति वर्ष आईएमडी वर्ल्ड कॉम्पिटिटिव सेंटर द्वारा प्रकाशित की जाती है।

यह रिपोर्ट कई कारकों के आधार पर 64 अर्थव्यवस्थाओं को ग्रेड करती है जैसे:

1. अर्थव्यवस्थाएं कैसे स्थानीय कर्मियों में निवेश करती हैं और उनका विकास करती हैं?
2. कुशल श्रमिकों को आकर्षित करने और बनाए रखने की उनकी क्षमता पर।
3. सृजित घरेलू प्रतिभा की गुणवत्ता पर ।

इस रिपोर्ट के मुख्य तथ्य:

- इस रिपोर्ट में 2021 की रैंकिंग में यूरोप का दबदबा रहा है। वैश्विक शीर्ष 10 देश इसी क्षेत्र से हैं।
- स्विटजरलैंड ने फिर से अपना शीर्ष स्थान बनाये रखा है।
- यूएई ने अपनी वैश्विक प्रतिभा रैंकिंग में निरंतर सुधार किया है। इनकी रैंकिंग एक स्थान से सुधरकर 23वें स्थान पर आ गई है। 2019 में इसे 30वां स्थान मिला था।
- अरब जगत में, संयुक्त अरब अमीरात ने अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा है।
- मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में, संयुक्त अरब अमीरात ने इज़राइल (इस क्षेत्र में पहला) के बाद अपना दूसरा स्थान बनाए रखा।
- इजराइल को 22वां स्थान दिया गया है।
- ताइवान को एशिया में तीसरा स्थान दिया गया है जबकि कुल मिलाकर 16वां स्थान प्राप्त किया है। 2020 की तुलना में इसकी रैंकिंग में चार स्थान का सुधार हुआ है।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

रैंकिंग कैसे तैयार की जाती है?

रैंकिंग तीन कारकों के आधार पर तैयार की गई है:

1. निवेश और विकास
2. अपील - यह इस बात का मूल्यांकन करता है कि कोई देश किस सीमा तक स्थानीय और विदेशी प्रतिभाओं को आकर्षित करता है।
3. तत्परता - यह कारक किसी देश में उपलब्ध कौशल और दक्षताओं की गुणवत्ता को निर्धारित करता है।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (IMD) के बारे में:

आईएमडी एक स्वतंत्र शैक्षणिक संस्थान है जो कि स्विजरलैंड में और इसकी वैश्विक पहुंच है। इसकी स्थापना 75 वर्ष पहले बिजनेस लीडर्स द्वारा बिजनेस लीडर्स के लिए की गई थी। यह विकासशील नेताओं में एक अग्रणी शक्ति रही है जो संगठनों को परिवर्तित सकते हैं और समाज में योगदान दे सकते हैं।

2. यूनिसेफ इंडिया पंचवर्षीय योजना शुरू करेगा:

यूनिसेफ इंडिया एक महत्वाकांक्षी और अभिनव पंचवर्षीय कार्यक्रम तैयार करने वाला है, जिसमें सभी क्षेत्रों में प्राथमिकता के रूप में सामाजिक नीति शामिल है।

मुख्य बिन्दु:

इस नए कार्यक्रम को डिजाइन करते समय, यूनिसेफ सभी हितधारकों के साथ बात करना चाहता था और इस बारे में विवरण प्राप्त करना चाहता था कि इस नए वातावरण में COVID-19 के बाद

क्या बेहतर किया जा सकता है और जहां जलवायु परिवर्तन मुख्य प्राथमिकता थी।

कोविड -19 और जलवायु परिवर्तन ने सीखने के संकट को बढ़ा दिया था। भारत में लगभग 286 मिलियन बच्चे प्रभावित हुए थे। इस संख्या ने विभिन्न कारणों से लाखों लोगों को स्कूल से दूर कर दिया।

भारत में डिजिटल डिवाइड की स्थिति:

केरल ने डिजिटल लर्निंग को प्राप्य बना दिया था। हालांकि, डिजिटल डिवाइड वाले अन्य राज्यों में ऐसा नहीं था। डिजिटल डिवाइड एक नई तरह की कठिनाई थी। इसके अलावा, बच्चों पर जलवायु प्रभावों के एक अध्ययन में, भारत को जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता के मामले में पांचवें स्थान पर रखा गया था।

यूनिसेफ का लक्ष्य:

सामाजिक सुरक्षा पर यूनिसेफ की समग्र दृष्टि बच्चों के लिए समावेशी सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों तक पहुंच और गरीबी से मुक्त रहने की थी। उदाहरण के लिए, COVID-19 के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला नकद अनुदान।

बच्चों के लिए स्थानीय शासन पहल:

- यूनिसेफ 'बाल और युवा अनुकूल स्थानीय शासन पहल' भी शुरू करना चाहता है जो बच्चों और किशोरों को केंद्र में रख सकता है और उन्हें इस बारे में अपनी आवाज उठाने में सक्षम बनाता है कि उनके जीवन में क्या बदलाव आया है।

- ऐसी पहल न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि उन शहरों में भी आवश्यक थी जहां बहुत अधिक भेद्यता और शहरी गरीबी थी।
- केरल ने पहले ही बच्चों के अनुकूल स्थानीय शासन पहल शुरू कर दी थी, जिसे अन्य राज्य भी शुरू करना चाहते थे। सरकारी अधिकारियों ने केरल मॉडल पर निर्माण करने और 10 से 19 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए इसे विस्तारित करने के लिए काफी बातचीत की थी।

नए देश कार्यक्रम के स्तंभ:

नए देश के कार्यक्रम के प्रमुख स्तंभों में से एक साक्ष्य-आधारित यह योजना होगी। रिपोर्ट और अध्ययन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए इसे उत्कृष्टता केंद्रों के साथ साझेदारी में किया जाएगा। बड़ी संख्या में सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें समेकित किया जाएगा जबकि बेहतर कवरेज के लिए कुछ योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

3. UNGA ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया है:

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) को पर्यवेक्षक का दर्जा दिया है।

मुख्य बिन्दु:

यह एक ऐतिहासिक निर्णय है और आईएसए वैश्विक ऊर्जा वृद्धि और विकास को लाभ पहुंचाने के लिए इस साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है।

आईएसए की चौथी महासभा के बारे में:

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की चौथी आम सभा अक्टूबर 2021 में आयोजित की गई थी। उस आयोजन में कुल 108 देशों ने भाग लिया था, जिसमें 74 सदस्य देशों और 34 पर्यवेक्षक और संभावित देशों ने भाग लिया था। इसके अलावा, 23 सहयोगी संगठनों और 33 विशेष आमंत्रित संगठनों ने भी भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) क्या है?

- ISA 124 देशों का गठबंधन है। यह पहल भारत ने की थी। इनमें से अधिकांश देश धूप वाले देश हैं।
- ये देश पूरी तरह से या आंशिक रूप से कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच स्थित हैं।
- आईएसए की स्थापना जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए सौर ऊर्जा की कुशल खपत के लिए काम करने के उद्देश्य से की गई थी।
- ISA को पहली बार 2015 में वेम्बली स्टेडियम में भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तावित किया गया था। अपने भाषण के

दौरान, उन्होंने धूप वाले देशों को सूर्यपुत्र के रूप में संबोधित किया जो "सूर्य पुत्र" हैं।

- यह एक संधि-आधारित अंतर-सरकारी संगठन है।
- संयुक्त राष्ट्र के बाद, आईएसए दुनिया भर में राज्यों का सबसे बड़ा गठबंधन है।

आईएसए के सदस्य:

आईएसए के अधिकांश सदस्य उष्ण कटिबंध के आसपास स्थित देश हैं। हालाँकि, जो देश ट्रॉपिक्स के भीतर नहीं आते हैं, वे भी गठबंधन में शामिल हो सकते हैं और अन्य सदस्यों के रूप में सभी लाभों का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, उन्हें मतदान का अधिकार नहीं मिलेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के बारे में:

UNGA संयुक्त राष्ट्र (UN) के छः प्रमुख अंगों में से एक है। यह संयुक्त राष्ट्र के मुख्य नीति निर्माण, विचार-विमर्श और प्रतिनिधि अंग के रूप में कार्य करता है। UNGA की शक्तियों, कार्यों, संरचना और प्रक्रियाओं का उल्लेख संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय IV में किया गया है।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

4. WEF सर्वेक्षण में यह पाया गया है कि भारतीय कार्यस्थल के लिए वैक्सीन, मास्क जनादेश का समर्थन करते हैं:

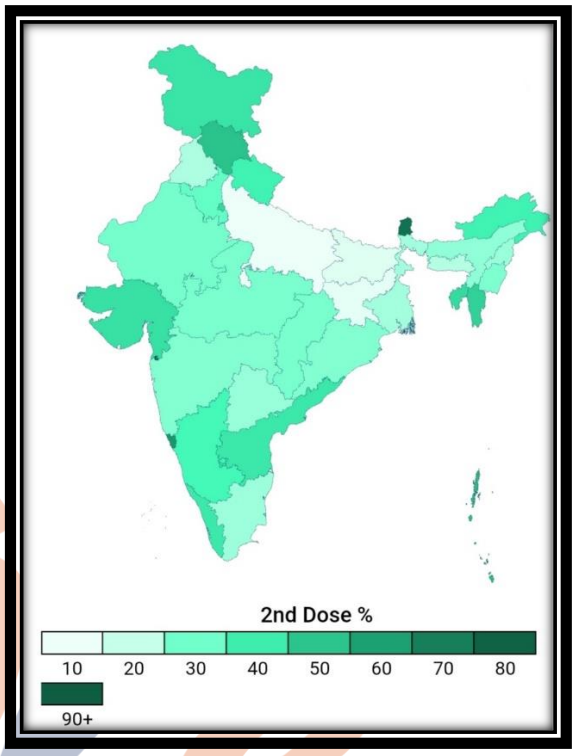

हाल ही में, एक वैश्विक विश्व आर्थिक मंच (WEF) के सर्वेक्षण से पता चला है कि, भारत में लगभग 90% लोगों का मानना है कि उन्हें और उनके सहयोगियों को कार्यस्थलों पर पूरी तरह से टीका लगाया जाना चाहिए, जबकि 93 % भारतीयों ने सहमति व्यक्त की कि उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर या उनके साथ निकटता में मास्क पहनना चाहिए। अन्य, कोविड -19 से सुरक्षित रहने के लिए।

मुख्य बिन्दु:

- ऐसे उपायों से सहमत होने वाले भारत के उत्तरदाताओं का प्रतिशत वैश्विक औसत से बहुत अधिक है।

- दुनिया भर में औसतन 78% लोग चाहते हैं कि उनके कार्यस्थल पर सभी को पूरी तरह से टीका लगाया जाए, जबकि 81% लोग सार्वजनिक स्थानों पर सभी से मास्क पहनने की उम्मीद रखते हैं।
- औसतन, दुनिया भर में लगभग 62% लोग काम पर जाने में सहज महसूस नहीं करेंगे यदि इस तरह के उपाय नहीं किए गए थे।
- सर्वेक्षण 22 अक्टूबर और 5 नवंबर, 2021 के बीच 33 देशों में 14,500 कार्यरत वयस्कों पर आयोजित किया गया था।
- 81% भारतीय उत्तरदाताओं ने कहा कि; यदि उन्हें बीमारी के खिलाफ टीका नहीं लगाया जाता है तो वे बार-बार कोविड परीक्षण के लिए जाते हैं।
- दुनिया भर में 12% कर्मचारी इसके बजाय बार-बार परीक्षण करने का विकल्प चुनेंगे।
- डब्ल्यूईएफ सर्वेक्षण ने यह भी उजागर किया कि, दुनिया भर में कोविड और कार्यस्थल से संबंधित व्यवहार और दृष्टिकोण में व्यापक अंतर हैं।

सबसे अधिक समर्थन करने वाले देश:

पूर्वी एशिया, दक्षिणी एशिया, लैटिन अमेरिका और सऊदी अरब में मास्क पहनने के जनादेश, परीक्षण और टीकाकरण के लिए समर्थन सबसे अधिक देखा जाता है। जबकि सबसे कम मध्य यूरोप, उत्तरी यूरोप, पूर्वी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में देखा जाता है।

वे देश जहां श्रमिक सहजता महसूस करते हैं:

सभी सर्वेक्षण किए गए देशों में, अधिकांश श्रमिक अभी भी काम पर जाने में सहज हैं यदि सात राज्यों अर्थात् पोलैंड, रूस, हंगरी,

डेनमार्क, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और अमेरिका में कोई सुरक्षात्मक आदेश नहीं था। चीन में, केवल 12% श्रमिक इस परिदृश्य में सहज होंगे जबकि 18 प्रतिशत अपनी नौकरी छोड़ देंगे या इसके बजाय दूर से काम करेंगे।

5. भूमि अधिग्रहण परियोजनाओं में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की रैंकिंग के लिए एमआईएस पोर्टल शुरू किया गया है:

हाल ही में, केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री, गिरिराज सिंह ने भूमि अधिग्रहण परियोजनाओं में राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों को रैंक करने के लिए MIS (प्रबंधन सूचना प्रणाली) पोर्टल लॉन्च किया है।

मुख्य बिन्दु:

- इस पोर्टल के लॉन्च होने के कारण, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को RFCTLARR अधिनियम, 2013 के तहत भूमि अधिग्रहण परियोजनाओं में स्थान दिया जाएगा, जिसे "भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजे और पारदर्शिता का अधिकार" कहा जाता है।

- रैंकिंग और प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष 3 राज्यों और शीर्ष 3 जिलों को सम्मानित किया जाएगा।

पोर्टल के गुण:

एमआईएस पोर्टल को 'विकास पोर्टल' नाम दिया जा रहा है। पोर्टल न केवल डेटा और आंकड़े दिखाएगा बल्कि भारत में विकास की गति भी दिखाएगा। यह गति शक्ति मिशन को गति प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि का परिणाम है।

विलंबित कार्यान्वयन के दोष:

भारत में परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी से परियोजना लागत में वृद्धि होती है और साथ ही विकास की गति में भी बाधा आती है। यह पोर्टल इस चिंता को कम करने में मदद करेगा। सभी राज्यों को रैंकिंग उपलब्ध होने के कारण विकास परियोजनाओं की प्रगति की ठीक प्रकार से निगरानी करना आसान हो जाएगा। इससे परियोजनाओं की गति में तेजी भी आएगी।

इस एमआईएस पोर्टल को किस विभाग ने विकसित किया है?

इस एमआईएस पोर्टल को भूमि संसाधन विभाग द्वारा विकसित किया गया है। यह विकास परियोजनाओं पर भूमि अधिग्रहण पर संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचना प्रस्तुत करने के लिए एक सॉफ्टवेयर संचालित कार्यक्रम है। इसे भूमि संसाधन विभाग की एनआईसी टीम द्वारा शून्य लागत के साथ घर में विकसित किया गया था। पोर्टल का लिंक "larr.dolr.gov.in" है।

एमआईएस पोर्टल क्यों लॉन्च किया गया है?

यह एमआईएस पोर्टल भूमि अधिग्रहण के कई मापदंडों पर जानकारी हासिल करने के लिए शुरू किया गया था, जो कि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की उचित रैंकिंग के लिए आवश्यक हैं।

6. F1 चैंपियन लुईस हैमिल्टन ने नाइटहुड प्राप्त किया है:

हाल ही में, सात बार के फॉर्मूला वन (F1) चैंपियन लुईस हैमिल्टन को मोटरस्पोर्ट में उनकी सेवाओं के लिए "नाइटहुड" प्राप्त हुआ है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

- अबू धाबी ग्रां प्री में हारने के कुछ दिनों बाद उन्होंने नाइटहुड प्राप्त किया। वह Red Bull ड्राइवर मैक्स वेरस्टैपेन से हार गए थे।
- लुईस हैमिल्टन के नाम सर्वाधिक रेस जीतने का रिकॉर्ड है।
- लुईस हैमिल्टन की कुल 103 जीत हैं।
- वह जर्मनी के माइकल शूमाकर के साथ सात ड्राइवर चैंपियनशिप में बराबरी पर है।
- हैमिल्टन नाइट होने वाले चौथे F1 ड्राइवर बन गए हैं।

- उनसे पहले दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई जैक ब्रभम, स्टर्लिंग मॉस और ट्रिपल चैंपियन जैकी स्टीवर्ट को नाइट की उपाधि दी जा चुकी है।
- हालांकि, लुईस हैमिल्टन एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने दौड़ के दौरान यह पुरस्कार प्राप्त किया है।

नाइटहुड प्राप्त करने वाले खिलाड़ी:

नाइटहुड प्राप्त करने वाले अन्य खिलाड़ियों की सूची:

1. साइक्लिंग टूर डी फ्रांस विजेता ब्रैडली विगिन्स।
2. ओलंपिक 5,000 और 10,000 मीटर स्वर्ण पदक विजेता मो फराह।
3. दो बार के विंबलडन चैंपियन एंडी मरे।
4. इंग्लैंड के क्रिकेटर एलिस्टेयर कुक।

सर लुईस कार्ल डेविडसन हैमिल्टन के बारे में:

वह एक ब्रिटिश रेसिंग ड्राइवर हैं, जो वर्तमान में मर्सिडीज के लिए फॉर्मूला वन में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उन्होंने पहले 2007 से 2012 के बीच मैकलारेन के लिए ड्राइव किया है। उन्होंने F1 में एक संयुक्त रिकॉर्ड सात वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियनशिप खिताब जीते और सबसे अधिक जीत (103), पोडियम फिनिश (182) और पोल पोजीशन (103) के रिकॉर्ड बनाए। टाइम के 2020 अंक में, उन्हें 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उन्हें हाल ही में 2021 न्यू ईयर ऑनर्स में नाइट की उपाधि दी गई थी।

7. अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान संयुक्त रूप से प्रशांत महासागर में अंडरसी केबल के लिए फंड देंगे:

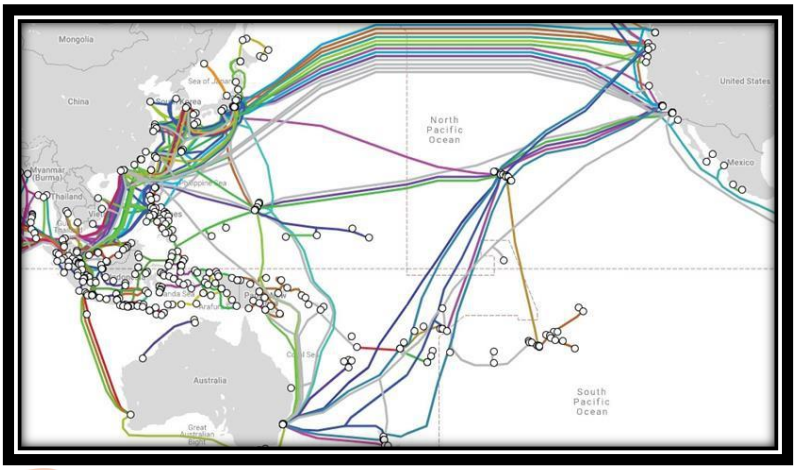

संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे पश्चिमी सहयोगियों ने हाल ही में प्रशांत महासागर में एक अंडरसी केबल के निर्माण के लिए संयुक्त रूप से कोष देने की घोषणा की है।

मुख्य बिन्दु:

- प्रशांत क्षेत्र में समुद्र के नीचे केबल का उपयोग तीन छोटे प्रशांत देशों में इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने के लिए किया जाएगा, क्योंकि पश्चिमी सहयोगी इस क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव का मुकाबला करना चाहते हैं।
- सहयोगी किरिबाती, नाउरू और माइक्रोनेशिया के संघीय राज्यों को तेज़ इंटरनेट प्रदान करने के लिए केबल विकसित करेंगे।
- यह सेवा आर्थिक विकास को बढ़ाने, जीवन स्तर में सुधार लाने और विकास के अवसरों को बढ़ाने में मदद करेगी, क्योंकि यह क्षेत्र COVID-19 के कठोर प्रभावों से उबर रहा है।
- लेकिन इस परियोजना की लागत अभी निर्दिष्ट नहीं है।

- 2017 में, ऑस्ट्रेलिया ने सोलोमन द्वीप और पापुआ न्यू गिनी में बेहतर इंटरनेट एक्सेस विकसित करने के लिए लगभग 137 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर खर्च किए हैं।

पृष्ठभूमि:

समुद्र के नीचे केबल का विकास प्रशांत क्षेत्र के दूरसंचार क्षेत्र में पश्चिमी सहयोगियों की नवीनतम वित्त पोषण प्रतिबद्धता है।

यह परियोजना क्यों शुरू की गई है?

पश्चिमी सहयोगियों ने इस परियोजना को शुरू किया है क्योंकि अमेरिका और उसके हिंद-प्रशांत सहयोगियों का मानना है कि चीन द्वारा बिछाई गई केबल क्षेत्रीय सुरक्षा से समझौता कर सकती है। हालांकि, चीन ने जासूसी के लिए वाणिज्यिक फाइबर-ऑप्टिक केबल का उपयोग करने की किसी भी योजना से इनकार किया है। इन फाइबर-ऑप्टिक केबल में उपग्रहों की तुलना में अधिक डेटा क्षमता होती है।

पनडुब्बी संचार केबल क्या है?

समुद्र और समुद्र के सभी हिस्सों में दूरसंचार संकेतों को ले जाने के लिए भूमि आधारित स्टेशनों के बीच समुद्र तल पर एक पनडुब्बी संचार केबल बिछाई जाती है। टेलीग्राफी ट्रैफिक ले जाने के लिए 1850 के दशक में पहली बार पनडुब्बी संचार केबल बिछाई गई थी। इसने महाद्वीपों के बीच पहला तत्काल दूरसंचार संबंध स्थापित किया था। इसके बाद के केबल वर्जनों ने टेलीफोन यातायात का निर्माण

किया, उसके बाद डेटा संचार यातायात का। आधुनिक केबल इंटरनेट, टेलीफोन और निजी डेटा ट्रैफ़िक सहित डिजिटल डेटा ले जाने के लिए ऑप्टिकल फाइबर तकनीक का उपयोग करते हैं।

Ole XPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS